

ए चट्टी ह यहूदा के दुवारा लखि गे हवय, जऊन ह याकूब के भाई रहिसि। ए चट्टी ला लबरा गुरूमन के बरिध म चेटाय बर लखि गे हवय; ए लबरा गुरूमन अपन-आप ला बसिवासी कहत रहिनि। ए चट्टी के बसिय ह पतरस के दूसरा चट्टी ले मलिथे-जुलथे। यहूदा ह अपन चट्टी के पढ़इयामन ला उत्साहति करथे की ओमन ओ बसिवास के खातरि काम करंय, जऊन ह परमेसर के मनखेमन ला जम्मो के सेती एक बार दयि गीस। ए चट्टी ला खाल्हे लखि भाग म बांटे जा सकथे।

जोहार 1-2

लबरा गुरूमन के चाल-चलन अऊ सकिछा 3-16

यीसू के बसिवास म बने रहे के सलाह 17-23

आससि बचन 24-25

1 ए चट्टी ह यीसू मसीह के सेवक अऊ याकूब के भाई यहूदा के तरफ ले, ओमन ला लखि जावत हे, जऊन मन परमेसर के दुवारा बलाय गे हवय, जऊन मन परमेसर के मयारू अंय अऊ जऊन मन यीसू मसीह खातरि रखे गे हवय।

2परमेसर के दया, सांती अऊ मया तुम्हर ऊपर अब्बड़ होवय।

अधरमीमन के पाप अऊ ओमन के बनिास

3हे मयारू संगीमन हो, हालाकी मेंह तुमन ला उद्धार के बारे म लखि बर बहुत उत्सुक रहैव, जऊन म हमन सहभागी हवन, पर मेंह ए जरूरी समझैव की तुमन ला लिखि अऊ बनिती करव की तुमन ओ बसिवास खातरि पूरा महिनत करव, जऊन ला परमेसर ह अपन मनखेमन ला जम्मो के सेती एकेच बार म दे हवय। 4काबरकी कुछ मनखेमन गुप्त रूप ले तुमन म आके मालि गे हवय, जऊन मन के दंड के हुकूम बहुत पहिली ले लखि गे हवय। ओमन अधरमी मनखे अंय। ओमन हमर परमेसर के अनुग्रह ला दुराचार

म बदल देथें अऊ हमर एकेच मालकि परभू यीसू मसीह के इनकार करथें।

5हालाकी तुमन ए जम्मो बात ला पहिली ले जानत हव, पर मेंह सुरता कराय चाहत हंव की परभू ह अपन मनखेमन ला मसिर देस ले छोड़ाईस, पर बाद म ओमन ला नास कर दीस, जऊन मन बसिवास नई करनि। 6अऊ ओ स्वरगदूत, जऊन मन अपन अधिकार के सीमा म नई रहिनि अऊ स्वरग म अपन खुद के घर ला तयाग दीन—ओमन ला परमेसर ह नयाय के महान दिन खातरि नरक के अंधियार म, कभू नई टूटइया बेड़ी म बांधके रखे हवय। 7एही किसिम ले सदोम, अमोरा अऊ आस-पास के सहर के मनखेमन अपन-आप ला छिनारी काम अऊ खराप चाल-चलन म लगाईन। एमन ओमन बर एक नमूना ठहरनि, जऊन मन सदाकाल के आगी के सजा भोगत हवय।

8ओहीच किसिम ले, ए मनखेमन सपना म अपन खुद के देहें ला असुध करथें; परमेसर के परभूता ला इनकार करथें, अऊ स्वरगदूतमन के बदनाम करथें। 9अऊ त अऊ परधान स्वरगदूत मीकाएल ह जब सैतान के संग अगमजानी मूसा के लास के बारे म बिवाद करत रहिसि, त ओह सैतान ऊपर बदनामी के दोस लगाय के हिम्मत नई करसि, पर ए कहसि, “परभू ह तोला दबकारय।” 10पर ए मनखेमन, जऊन बातमन ला नई समझंय, ओकर बारे म खराप गोठ गोठियाथें, अऊ जऊन बातमन ला, एमन जंगली पसुमन के सहीं सहज रूप म जानथें, ओहीच बातमन एमन ला नास कर देथें।

11एमन ऊपर हाय! काबरकी एमन कैन के डहार म चलथें; एमन फायदा खातरि, बलाम के सहीं गलती करथें; एमन कोरह के सहीं बिद्रोह करथें, अऊ ओकरे सहीं नास हो जाथें।

12ए मनखेमन तुम्हर मया के जेवनार म गंदगी के सहीं अंय, एमन तुम्हर संग बेसरम सहीं खाथें-पीथें अऊ सरिपि अपन-आप के खियाल रखथें। एमन बगिर पानी के बादर अंय, जऊन ला हवा उड़ा ले जाथे। एमन

पतझड़ के ओ रूख सहीं अंय, जऊन म फर नई लगय अऊ उखाने जाथें अऊ दूबारा मर जाथें। 13 एमन समुंदर के भयानक लहरा सहीं अंय, जऊन मन अपन लाज के फेन ला नकारथें। एमन गजिरत तारामन सहीं अंय, जेमन खातरि परमेसर ह सदाकाल बर घोर अंधियार ठहरिय हवय।

14 हनोक, जऊन ह आदम के सातवां पीढ़ी के रहिसि, ए मनखेमन के बारे म ए अगमबानी करे रहिसि, “देखव, परभू ह हजारों-हजार अपन पबतिर स्वरगदूतमन संग आवत हवय, 15 कहर एक के नियाय करय, अऊ ओ जम्मो अधरमीमन ला दोसी ठहरिय, जऊन मन कुकरम करके अधरम के काम करे हवय, अऊ परमेसर के बरिध म ओ जम्मो कठोर बचन, ए अधरमी पापीमन कहे हवय।” 16 ए मनखेमन कुडकुड़ावत अऊ आने ऊपर दोस लगावत रहथि; एमन अपन खराप ईछा के मुताबकि चलथें; एमन अपन खुद के बड़ई मारथें अऊ अपन खुद के फायदा बर दूसर के चापलूसी करथें।

बसिवास म बने रहव

17 पर हे मयारू संगवारीमन हो, तुमन ओ बातमन ला सुरता करव, जऊन ला हमर परभू यीसू मसीह के प्रेरितमन तुमन ला पहिली कहे रहनि। 18 ओमन तुमन ला कहे रहनि, “आखरी समय म, ठट्ठा करइयामन होहीं, जऊन मन अपन खुद के खराप ईछा के मुताबकि चलहीं।” 19 एमन ओ मनखे अंय,

जऊन मन तुम्हर बीच म फूट डारथें; एमन अपन संसारकि ईछा के मुताबकि चलथें अऊ एमन करा पबतिर आतमा नई ए।

20 पर हे मयारू संगवारीमन, तुमन अपन-आप ला अपन परम पबतिर बसिवास म बढ़ावव, अऊ पबतिर आतमा के सामरथ म पराथना करव। 21 अपन-आप ला परमेसर के मया म बनाय रखव, अऊ हमर परभू यीसू मसीह के दया के बाट जोहत रहव, जऊन ह तुमन ला परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी दही। 22 जऊन मन बचन ऊपर संका करथें, ओमन ऊपर दया करव; 23 आने मन ला लबरा गुरूमन के सकिछा ले बचावव, जइसने तुमन कोनो ला आगी ले खींचके बचावव; भय के संग आने मन ऊपर दया करव; पर ओ मनखेमन के ओ ओन्हा ले घलो घनि करव, जऊन म ओमन के पापी सरीर के दाग लगे हवय।

24 अब जऊन ह तुमन ला गरि ले बचा सकथे अऊ तुमन ला नरिदोस अऊ आनंद के संग ओकर महिमा ला देखा सकथे - 25 ओहीच एके परमेसर, हमर उद्धार करइया के महिमा, गौरव, पराकरम अऊ अधिकार, हमर परभू यीसू मसीह के जरयि सनातन काल, अब अऊ सदाकाल तक होवत रहय। आमीन।